शिव तांडव स्तोत्रम लिरिक्स हिंदी में

Shiv Tandav Stotram Lyrics- in Hindi

|| शिव तांडव स्तोत्रम ||

जटाटवीगलज्जलप्रवाहपावितस्थलेगलेऽवलम्ब्य लम्बितां भुजंगतुंगमालिकाम् ।डमड्डमड्डमड्डमन्निनादवड्डमर्वयंचकार चण्डताण्डवं तनोतु नः शिवः शिवम् ॥1॥

जटा कटा हसम भ्रमम भ्रमन्नि लिंपनिर्झरी विलोलवी चिवल्लरी विराजमान मूर्धनि ||
धगद्धगद्ध गज्ज्वलल्ल ललाट पट्टपावके किशोर चंद्रशेखरे रतिः प्रतिक्षणं ममम || 2 ||

धरा धरेंद्र नंदिनी विलास बंधु बंधुर-स्फुरदृगंत संतति प्रमोद मान मानसे ||कृपा कटाक्ष धारणी निरुद्ध दुर्धरापदिकवचिददिगम्बरे मनो विनोद मेतु वस्तुनि || 3 ||

जटाभुजंगपिंगलस्फुरत्फणामणिप्रभा-
कदम्बकुङ्कुमद्रवप्रलिप्तदिग्वधूमुखे

॥मदान्धसिन्धुरस्फुरत्त्वगुत्तरीयमेदुरेमनो विनोदमद्भुतं बिभर्तु भूतभर्तरि ॥4॥

सहस्र लोचन प्रभृत्य शेषलेखशेखर-प्रसून धूलिधोरणी विधूसरांघ्रि पीठभूः ||भुजंगराज मालया निबद्ध जाटजूटकःश्रिये चिराय जायतां चकोर बंधुशेखरः || 5 ||

ललाट चत्वरज्वलद्धनंजय स्फुरिगभा-निपीत पंचसायकम निमन्निलिंप नायम् ||सुधा मयुख लेखया विराज मानशेखरंमहा कपालि संपदे शिरोजया लमस्तू नः || 6 ||

कराल भाल पट्टिका धगद्धगद्धगज्ज्वल द्धनंजया धरीकृत प्रचंड पंचसायके ।
धराधरेंद्र नंदिनी कुचाग्र चित्र पत्रक प्रकल्प नैक शिल्पिनि त्रिलोचने मतिर्मम || 7 ||

नवीन मेघ मंडली निरुद्धदुर्ध रस्फुर-त्कुहु निशीथि नीतमः प्रबंध बंधु कंधरः ||निलिम्प निर्झरि धरस्तनोतु कृत्ति सिंधुरःकला निधान बंधुरः श्रियं जगंद्धुरंधरः || 8 ||

प्रफुल्ल नील पंकज प्रपंच कालि मच्छटा-विडंबि कंठकंध रारुचि प्रबंध कंधरम् ||स्मरच्छिदं पुरच्छिंद भवच्छिदं मखच्छिदंगजच्छिदांध कच्छिदं तमंत कच्छिदं भजे || 9 ||

अखर्व सर्वमंगला कला कदम्बमंजरी-रसप्रवाह माधुरी विजृंभणा मधुव्रतम् ||स्मरांतकं पुरातकं भावंतकं मखांतकंगजांत कांध कांतकं तमंत कांतकं भजे || 10 ||

जयत्वद भ्रविभ्रम भ्रमद्भुजंग मश्वसद,विनिर्ग मक्र मस्फुरत्कराल भाल हव्यवाट् ||धिमिन्ध मिधि मिन्ध्व नन्मृदंग तुंगमंगल-ध्वनि क्रम प्रवर्तित प्रचण्ड ताण्डवः शिवः || 11 ||

दृषद्विचित्र तल्पयोर्भुजंग मौक्तिकम स्रजो-र्गरिष्ठरत्न लोष्टयोः सुहृद्विपक्ष पक्षयोः ||तृणार विंद चक्षुषोः प्रजा मही महेन्द्रयोःसमं प्रवर्तयन्मनः कदा सदाशिवं भजे || 12 ||

कदा निलिं पनिर्झरी निकुज कोटरे वसन्विमुक्तदुर्मतिः सदा शिरःस्थमंजलिं वहन्।विमुक्त लोल लोचनो ललाम भाल लग्नकःशिवेति मंत्रमुच्चरन्कदा सुखी भवाम्यहम् || 13 ||

निलिम्प नाथनागरी कदम्ब मौलमल्लिका-निगुम्फ निर्भक्षरन्म धूष्णिका मनोहरः ||तनोतु नो मनोमुदं विनोदिनीं महनिशंपरिश्रय परं पदं तदंगजत्विषां चयः || 14 ||

प्रचण्ड वाडवानल प्रभाशुभप्रचारणीमहाष्ट सिद्धि कामिनी जनावहूत जल्पना ||विमुक्त वाम लोचनो विवाह कालिक ध्वनिःशिवेति मन्त्रभूषगो जगज्जयाय जायताम् || 15 ||

इमं हि नित्यमेव मुक्तमुक्तमोत्तम स्तवंपठन्स्मरन् ब्रुवन्नरो विशुद्धमेति संततम् ||हरे गुरौ सुभक्तिमाशु याति नांयथा गतिंविमोहनं हि देहना तु शंकरस्य चिंतनम || 16 ||

पूजाऽवसानसमये दशवक्त्रगीतंयः शम्भूपूजनमिदं पठति प्रदोषे || तस्य स्थिरां रथगजेंद्रतुरंगयुक्तांलक्ष्मी सदैव सुमुखीं प्रददाति शम्भुः || 17 ||

The शिव चालीसा

|| शिव तांडव स्तोत्र समाप्त ||

शिव तांडव स्तोत्रम का हिंदीं में अर्थ